वो काला एक बांसुरी वाला | By Varsha Shrivastav |

वो काला एक बांसुरी वाला,
सुध बिसरा गया मोरी रे ।
माखन चोर वो नंदकिशोर जो,
कर गयो मन की चोरी रे ॥

पनघट पे मोरी बईया मरोड़ी,
मैं बोली तो मेरी मटकी फोड़ी ।
पईया परूँ करूँ बीनता मैं पर,
माने ना वो एक मोरी रे ॥

छुप गयो फिर एक तान सुना के,
कहाँ गयो एक बाण चला के ।
गोकुल ढूंढा मैंने मथुरा ढूंढी,
कोई नगरिया ना छोड़ी रे ॥

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b5%e0%a5%8b-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be-by-varsha-shrivastav/